प्रारंभिक परीक्षा (Preliminary Exam)

कृतिपत्रिका **दिनांकः / /20**

कक्षाः बारहवीं **विषयः** हिंदी **समयः** ३ घंटे **अंकः** 80

सूचनाएँ :

(1) सूचना के अनुसार गद्य,पद्य की सभी कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित हैं।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(4) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग - १: गद्य - अंक : २०

कृतिः १ (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिएः **(६)**

गद्यांश

पाप काँपता है और अब उसे लगता है कि इस वेग में वह पिस जाएगा - बिखर जाएगा । तब पाप अपना ब्रह्मास्त्र तोलता है और तोलकर सत्य पर फेंकता है । यह ब्रह्मास है - श्रद्धा ।

इन क्षणों में पाप का नारा होता है - "सत्य की जय ! सुधारक की जय !"

अब वह सुधारक की करने लगता है चरणवंदना और उसके सत्य की महिमा का गान और बखान।

सुधारक होता है करुणाशील और उसका सत्य सरल विश्वासी । वह पहले चौंकता है, फिर कोमल पड़ जाता है और तब उसका वेग बन जाता है शांत और वातावरण में छा जाती है सुकुमारता ।

पाप अभी तक सुधारक और सत्य के जो स्तोत्र पढ़ता जा रहा था, उनका करता है यूँ उपसंहार "सुधारक महान है, वह लोकोत्तर है, मानव नहीं, वह तो भगवान है, तीर्थंकर है, अवतार है, पैगंबर है, संत है । उसकी वाणी में जो सत्य है, वह स्वर्ग का अमृत है । वह हमारा वंदनीय है, स्मरणीय है, पर हम पृथ्वी के साधारण मनुष्यों के लिए वैसा बनना असंभव है, उस सत्य को जीवन में उतारना हमारा आदर्श है, पर आदर्श को कब, कहाँ, कौन पा सकता है?" और इसके बाद उसका नारा हो जाता है, "महाप्रभु सुधारक वंदनीय है, उसका सत्य महान है, वह लोकोत्तर है ।"

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : २

पाप ने सुधारक को मानव से ऊपर वाले इन चार नामों से सराहा

(२) निम्मलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। २

१) कोमल X .... २) स्वर्ग X ....

३) पाप X .... ४) अमृत X ....

(३) 'लोगों के सक्रिय सहभाग से ही समाज सुधारक का कार्य सफल हो सकता है', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए । २

(आ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिएः (६)

गद्यांश

सुनो सुगंधा ! तुम्हारा पत्र पाकर खुशी हुई । तुमने दोतरफा अधिकार की बात उठाई है, वह पसंद आई । बेशक, जहाँ जिस बात से तुम्हारी असहमति हो; वहाँ तुम्हें अपनी बात मुझे समझाने का पूरा अधिकार है । मुझे खुशी ही होगी तुम्हारे इस अधिकार प्रयोग पर । इससे राह खुलेगी और खुलती ही जाएगी । जहाँ कहीं कुछ रुकती दिखाई देगी; वहाँ भी परस्पर आदान-प्रदान से राह निकाल ली जाएगी । अपनी-अपनी बात कहने-सुनने में बंधन या संकोच कैसा?

मैंने तो अधिकार की बात यों पूछी थी कि मैं उस बेटी की माँ हूँ जो जीवन में ऊँचा उठने के लिए बड़े ऊँचे सपने देखा करती है; आकाश में अपने छोटे-छोटे डैनों को चौड़े फैलाकर ।

धरती से बहुत ऊँचाई में फैले इन डैनों को यथार्थ से दूर समझकर भी मैं काटना नहीं चाहती। केवल उनकी डोर मजबूत करना चाहती हूँकि अपनी किसी ऊँची उड़ान में वे लड़खड़ा न जाएँ ।इसलिए कहना चाहती हूँकि 'उड़ो बेटी, उड़ो, पर धरती पर निगाह रखकर।'कहीं ऐसा न हो कि धरती से जुड़ी डोर कट जाए और किसी अनजाने-अवांछित स्थल पर गिरकर डैने क्षत-विक्षत हो जाएँ ।ऐसा नहीं होगा क्योंकि तुम एक समझदार लड़की हो । फिर भी सावधानी तो अपेक्षित है ही ।

यह सावधानी का ही संकेत है कि निगाह धरती पर रखकर उड़ान भरी जाए । उस धरती पर जो तुम्हारा आधार है- उसमें तुम्हारे परिवेश का, तुम्हारे संस्कार का, तुम्हारी सांस्कृतिक परंपरा का, तुम्हारी सामर्थ्य का भी आधार जुड़ा होना चाहिए ।हमें पुरानी-जर्जर रूढ़ियों को तोड़ना है, अच्छी परंपराओं को नहीं।

परंपरा और रूढ़ि का अर्थ समझती हो न तुम? नहीं ! तो इस अंतर को समझने के लिए अपने सांस्कृतिक आधार से संबंधित साहित्य अपने कॉलेज पुस्तकालय से खोजकर लाना, उसे जरूर पढ़ना । यह आधार एक भारतीय लड़की के नाते तुम्हारे व्यक्तित्व का अटूट हिस्सा है, इसलिए ।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : २

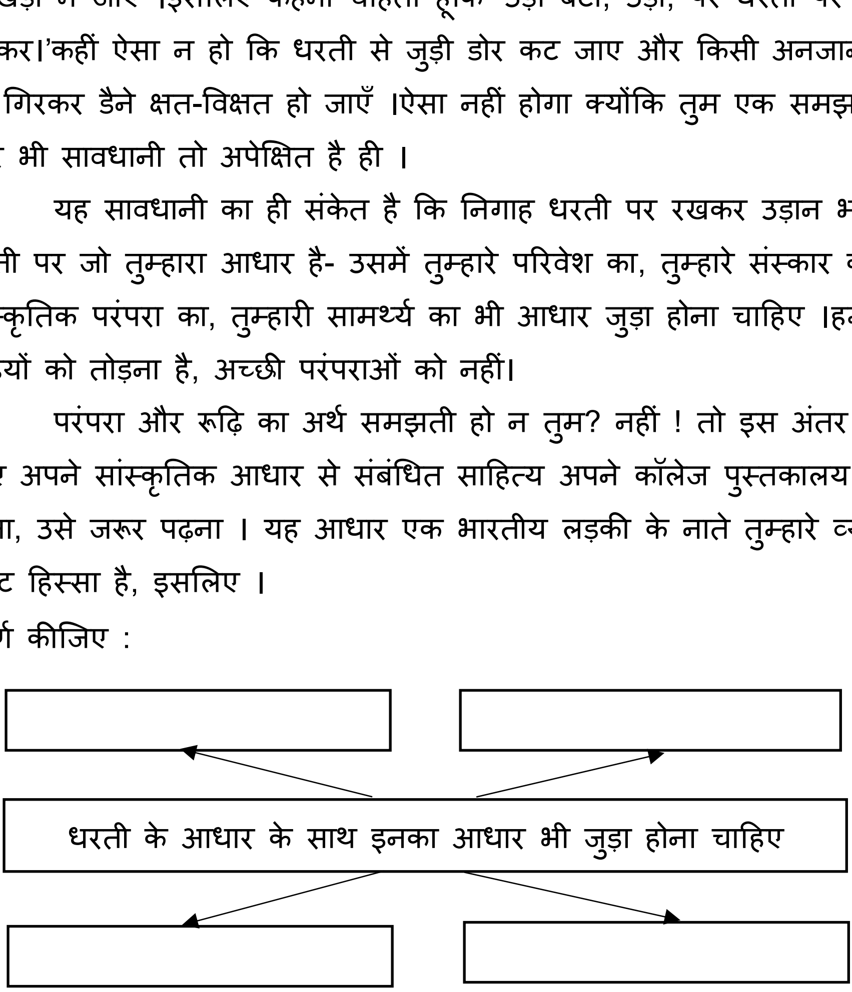

(२) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द युग्म खोजकर लिखिएः २

१) .... २) ....

३) .... ४) ....

(३) 'भारतीय पुरानी परंपरा, रूढ़ि और संस्कृति', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए । २

(इ) निम्मलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (६)

(१) 'बैजू बावरा संगीत का सच्चा पुजारी है', इस विचार को स्पष्ट कीजिए ।

(२) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(३) ओजोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए ।

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (सिर्फ-२) २

(१) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए -

(२) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ - ....

(३) डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र जी की रचनाएँ - ....

(४) सुदर्शन जी का मूल नाम : ....

विभाग - २ : पदय - अंक : २०

कृतिः २ (अ) निम्मलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

पद्यांश

तुमने विश्वास दिया है मुझको,
मन का उच्छ्वास दिया है मुझको ।
मैं इसे भूमि पर सँभालूँगा,
तुमने आकाश दिया है मुझको ।

सूत्र यह तोड़ नहीं सकते हैं,
तोड़कर जोड़ नहीं सकते हैं ।
व्योम में जाएँ, कहीं भी उड़ जाएँ,
भूमि को छोड़ नहीं सकते हैं ।

सत्य है, राह में अँधेरा है,
रोक देने के लिए घेरा है ।
काम भी और तुम करोगे क्या,
बढ़ चलो, सामने अँधेरा है ।

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

१) १

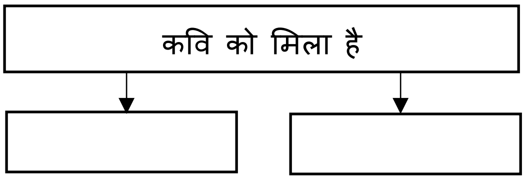

२) १

[ ] ← सूत्र यह नहीं कर सकते → [ ]

(२) निम्मलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में से समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : २

१) कर्म   २) धरती

३) भरोसा   ४) सच

(३) 'धरती से जुड़ा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है', इस विषय पर अपना मत ४० से ५० शब्दों में प्रकट कीजिए। २

(आ) निम्मलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

पद्यांश

जहाँ भी खड़ा हो
सड़क, झील या कोई पहाड़
भेड़िया, बाघ, शेर की दहाड़
पेड़ किसी से नहीं डरता है !
हत्या या आत्महत्या नहीं करता है पेड़ ।
थके राहगीर को देकर छाँव व ठंडी हवा
राह में गिरा देता है फूल
और करता है इशारा उसे आगे बढ़ने का ।
पेड़ करता है सभी का स्वागत,
देता है सभी को विदाई !
गाँव के रास्ते का वह पेड़
आज भी मुस्कुरा रहा है
हालाँकि वह सीधा नहीं, टेढ़ा पड़ा है
सच तो यह है कि-
रात भर तूफान से लड़ा है
खुद घायल है वह पेड़
लेकिन क्या देखा नहीं तुमने
उसपर अब भी सुरक्षित
चहचहाते हुए चिड़िया के बच्चों का घोंसला है
जी हाँ, सच तो यह है कि
पेड़ बहुत बड़ा हौसला है ।

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

१) १

पेड़ कभी नहीं करता है

[ ]   [ ]

२) लिखिए : १

पेड़ का बुलंद हौसला सूचित करने वाली दो पंक्तियाँ :-

१) ....

२) ....

(२) निम्मलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए : २

१) बच्चा २) बाघ

३) चिड़िया ४) ठंडी

(३) 'पेड़ पक्षी और मनुष्य के लिए परोपकारी हैं' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए । २

(इ) निम्मलिखित मुद्दों के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए । (६)

(१) रचनाकार का नामः- १

(२) पसंद की पंक्तियाँ :- १

(३) रस / अलंकार :- २

(४) प्रतीक विधान :- २

अथवा

कवि कैलास सेंगर की भावुकता और संवेदनशीलता को समझते हुए 'चुनिंदा शेर' का रसास्वादन कीजिए ।

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।(सिर्फ-२)२

(१) दोहा छंद की विशेषता -

(२) गजल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है --

(३) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम -

(४) डॉ. मुकेश गौतम जी की रचनाएँ -

विभाग - ३ : विशेष अध्ययन - अंकः १०

कृतिः ३ (अ) काव्य पंक्तियाँ पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

"कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व,
शब्द, शब्द, शब्द ....
मेरे लिए नितांत अर्थहीन हैं-
मैं इन सबके परे अपलक तुम्हें देख रही हूँ
हर शब्द को अँजुरी बनाकर
बूँद-बूँद तुम्हें पी रही हूँ
और तुम्हारा तेज
मेरे जिस्म के एक-एक मूर्च्छित संवेदन को
धधका रहा है

और तुम्हारे जादू भरे होंठों से
रजनीगंधा के फूलों की तरह टप-टप शब्द झर रहे हैं
एक के बाद एक के बाद एक.........
कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व.......
मुझ तक आते-आते सब बदल गए हैं
मुझे सुन पड़ता है केवल
राधन, राधन, राधन"

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : २

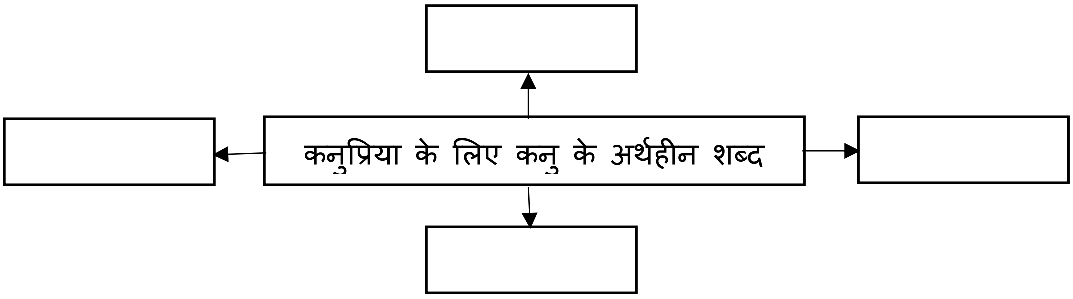

(२) पद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए : २

१) .... २) ....

३) .... ४) ....

(३) 'मनुष्य को एक-दूसरे के साथ प्रेम से रहना चाहिए', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए । २

(आ) निम्मलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। **४**

(१) 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है', इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(२) कृष्ण की प्रिय आम के वृक्ष की डाली काटने के कारण लिखिए ।

विभाग - ४: व्यावहारिक हिंदी/ अपठित गद्यांश/ पारिभाषिक शब्दावली - अंकः २०

कृतिः ४ (अ) निम्मलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए। **(६)**

(१) "सेवा तीर्थयात्रा से बढ़कर है ", इस उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए ।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

ब्लॉग लेखन का प्रसार :

ब्लॉग लेखक अपने ब्लॉग का प्रचार-प्रसार स्वयं कर सकता है । विज्ञापन, फेसबुक, वाट्स ऐप, एसएमएस आदि द्वारा इसका प्रचार होता है । आकर्षक चित्रों-छायाचित्रों के साथ विषय सामग्री यदि रोचक हो तो पाठक ब्लॉग की प्रतीक्षा करता है और उसका नियमित पाठक बन जाता है ।

ब्लॉग लेखन से आर्थिक लाभ :

ब्लॉग लेखन से आर्थिक लाभ भी होता है । विशेष रूप से हिंदी और अंग्रेजी ब्लॉग लेखन का व्यापक पाठक वर्ग होने से इसमें अच्छी कमाई होती है । विद्यार्थी अपने अनुभव तथा विचार ब्लॉग लेखन द्‍वारा साझा कर सकते हैं । प्रत्येक विद्‍यार्थी की अपनी जीवनशैली, अपना संघर्ष, अपनी सफलताएँ विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त हो सकती हैं । राजनीतिक विषयों के लिए अच्छा प्रतिसाद मिलता है । इसके अतिरिक्त जीवनशैली तथा शिक्षा विषयक ब्लॉग पढ़ने वाला पाठक वर्ग भी विपुल मात्रा में है । यात्रा वर्णन, आत्मकथात्मक तथा अपने अनुभव विश्व से जुड़े जीवन की प्रेरणा देने वाले विषय भी बड़े चाव से पढ़े जाते हैं ।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : २

ब्लॉग लेखन का प्रचार इसके द्‍वारा होता है

१) [ ]

२) [ ]

३) [ ]

४) [ ]

(२) निम्मलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : २

१) मात्रा　　२) सफलताएँ

३) अनुभव　　४) चित्रों

(३) 'ब्लॉग लेखन आमदनी का अच्छा साधन है', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए । २

(आ) निम्मलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। ४

१) फीचर लेखन के सोपानों को स्पष्ट कीजिए ।

२) सूत्र संचालन के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

(आ) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिएः

१) पल्लवन में भाव विस्तार के साथ इसका का स्थान भी महत्त्वपूर्ण होता है ।

अ) कला　आ) स्मरण　इ) कौशल　ई) चिंतन

२) ब्लॉग लेखक के पास लोगों से यह स्थापित करने के लिए बहुत-से विषय होने चाहिए ।

अ) संबंध　आ) संवाद　इ) निकटता　ई) मित्रता

३) फीचर लेखन के लिए दिए जाने वाले 'सर्वश्रेष्ठ फीचर लेखन' के राष्ट्रीय पुरस्कार से उसे सम्मानित किया गया था ।

अ) स्नेहा　आ) डॉ. बीना शर्मा　इ) पी.डी. टंडन　ई) हेमा

४) शासकीय एवं राजनीतिक समारोह के सूत्र संचालन में इसका बहुत ध्यान रखना पड़ता है।

अ) समय　आ) प्रोटोकॉल　इ) पद　ई) सम्मान

(इ) निम्मलिखित अपठित गद्‍यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

हम रसायनों के युग में रह रहें हैं। हमारे पर्यावरण की सारी वस्तुएँ और हम सब, रासायनिक यौगिकों के बने हुए हैं। हवा, मिट्टी, पानी, खाना, वनस्पती और जीव-जंतु ये सब अजूबे जीवन की रासायनिक सच्चाई ने पैदा किए हैं। प्रकृति में सैकड़ों-हजारों रासायनिक पदार्थ हैं। रसायन न होते तो धरती पर जीवन भी नहीं होता। पानी, जो जीवन का आधार है, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बना एक यौगिक है। मधुर-मीठी चीनी कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बनी है। कोयला और तेल, बीमारियों से मुक्ति दिलाने वाली औषधियाँ, एंटीबायोटिक्स, एस्प्रीन और पेनिसिलीन, अनाज, सब्जियाँ, फल और मेवे सभी तो रसायन हैं।

जीवन जोखिम से भरा है, गुफा-मानव ने जब भी आग जलाई, उसने जल जाने जाने का खतरा उठाया। जीवन-यापन के आधुनिक तरीकों में कुछ खतरों को कम किया गया है, पर कुछ खतरे अनेक गुना बढ़ गए हैं। ये खतरे नुकसान और शारीरिक चोट के रुप में हैं। हम सभी अपने दैनिक जीवन में जोखिम उठाते हैं। जैसै जब हम सड़क पार करते हैं, स्टोव जलाते हैं, कार में बैठते हैं, खेलते हैं, पालतू जानवरों को दुलारते हैं, घरेलू काम-काज करते हैं या केवल पेड़ के नीचे बैठे होते हैं, तो हम जोखिम उठा रहे होते हैं। इन जोखिमों में से कुछ तात्कालिक हैं, जैसे जलने का, गिरने का या अपने ऊपर कुछ गिर जाने का खतरा।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : २

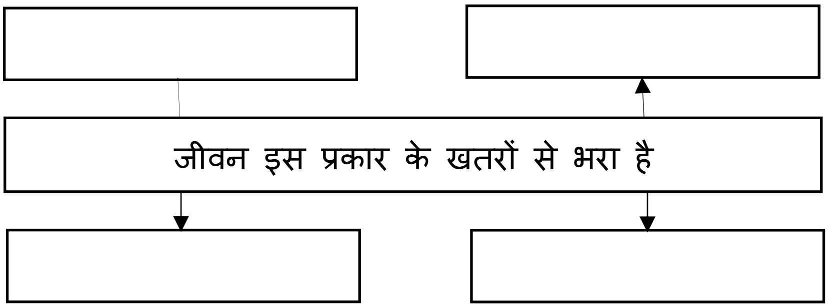

(२) निम्मलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : २

१) धरती २) वस्तु

३) तेल ४) रसायन

(३) 'ध्वनि प्रदूषण' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए । २

(ई) निम्मलिखित शब्दों में से किन्हीं चार के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए । ४

(१) Record	(२) Optic Fibre
(३) Ambassador	(४) Integrated Circuit
(५) Fixed Deposit	(६) Auxilliary Memory
(७) Antiseptics	(८) Procedure

विभाग - ५ : व्याकरण - (अंकः १०)

कृतिः ५ (अ) निम्मलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (सिर्फ २) २

(१) समूची परिस्थिति का तंत्र चरमरा गया है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(२) इस वेग में वह पिस जाएगा। (पूर्ण भूतकाल)

(३) तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो। (सामान्य भविष्यकाल)

(४) बैजू बावरा की उँगलियाँ सितार पर दौड़ रही थीं। (सामान्य वर्तमानकाल)

(आ) निम्म पंक्तियों में उद्‌धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए । (सिर्फ २) २

(१) पीपर पात सरस मन डोला ।

(२) सिंधु-सेज पर धरा-वधू ।
अब तनिक संकुचित बैठी-सी ।।

(३) लता भवन ते प्रगट भए तेहि अवसर दोउ भाइ ।
निकसे जनु जुग विमल बिंधु, जलद पटल बिलगाइ ।।

(४) करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान ।
रसरी आवत जात है, सिल पर पड़त निसान ।।

(इ) निम्म पंक्तियों में उद्‌धृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए। (सिर्फ २) २

(१) कहा - कैकयी ने सक्रोध
दूर हट ! दूर हट ! निर्बोध !
द्‌विजिव्हे रस में, विष मत घोल ।

(२) सिर पर बैठो काग, आँखि दोऊ खात
खींचहि जींभहि सियार अतिहि आनंद उर धारत ।
गिद्‌ध जाँघ के माँस खोदि-खोदि खात, उचारत हैं ।

(३) राम के रूप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाही,
यातै सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाही ।

(४) समदरसी है नाम तिहारो, सोई पार करो,
एक नदिया इक नार कहावत, मैलो नीर भरो,
एक लोहा पूजा में राखत, एक घर बधिक परो,
सो दुविधा पारस नहीं जानत, कंचन करत खरो ।

(ई) निम्मलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (सिर्फ २) २

(१) कटे पर नमक छिड़कना

(२) फलीभूत होना

(३) समाँ बँधना

(४) गले के नीचे उतरना

(उ) निम्मलिखित वाक्यों को शुद्‌ध करके फिर से लिखिए । (सिर्फ २) २

(१) पाप का पास चार सश्त्र हैं।

(२) उसके सत्य का पराजय हो जाता है ।

(३) अब मेरी पास और कुछ नहीं, जो तुजे दूँ।

(४) अपना किसी ऊँची उड़ान में वे लड़खड़ा न जाया।

------------------------------------ xxx ---------------------- xxx ------------------------- xxx ------------------------------